

बुंदेलखंड बनेगा नया पावर हाउस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बुंदेलखंड में 10 सौर ऊर्जा परियोजनाएँ शुरू की गई हैं, जिनसे 3,000 मेगावाट से अधिक वदियुत उत्पन्न होगी। यह पूरा क्षेत्र उत्तर प्रदेश का नया ऊर्जा केंद्र बनने के लिये तैयार है।

मुख्य बटु:

- सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र बुंदेलखंड के जालौन, झाँसी, ललतिपुर, बांदा, चतिरकूट तथा महोबा जिलों में स्थापति किये जायेंगे। अकेले झाँसी जिले में तीन सौर ऊर्जा इकाइयाँ स्थापति की जा रही हैं।
- परियोजनाएँ हैं:
 - झाँसी जिले में टस्को द्वारा 3,430 करोड़ रुपए की लागत से 600 मेगावाट का सौर संयंत्र स्थापति किये जा रहा है, जिससे 300 रोजगार सृजन के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है।
 - फोर्थ पार्टनर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड 1,200 करोड़ रुपए में 100 मेगावाट का सौर संयंत्र स्थापति करेगा, जिससे 1,000 से अधिक रोजगार सृजन के अवसर जुड़ेंगे।
 - सन सोर्स एनर्जी 600 करोड़ रुपए की 135 मेगावाट की ओपन-एक्सेस सौर ऊर्जा परियोजना शुरू करने के लिये तैयार है, जिसमें 2,000 रोजगार सृजन की क्षमता है।
 - टस्को द्वारा ललतिपुर जिले में 3,450 करोड़ रुपए की लागत से 600 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापति किये जा रहा है, जिससे 300 रोजगार सृजन के अवसर उत्पन्न होंगे।
 - सूर्य ऊर्जा फोर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 150 करोड़ रुपए की लागत से 10-15 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापति की जाएगी, जिससे 200 लोगों के लिये रोजगार सृजन के अवसर उत्पन्न होंगे।
 - अवाडा इंड सोलर प्राइवेट लिमिटेड 350 करोड़ रुपए की लागत से बाँदा में 750 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापति करेगी।
 - सनशोर सोलर पार्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 62 करोड़ रुपए की लागत से 15 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना भी स्थापति की जा रही है।
 - चतिरकूट में टस्को लिमिटेड 4,700 करोड़ रुपए की लागत से 800 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापति करेगी। इससे 400 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।
 - श्री सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड 202 करोड़ रुपए का सोलर पावर प्लांट लगाएगी।
 - टस्को लिमिटेड महोबा में 1008 करोड़ रुपए की 155 मेगावाट की अर्जुन सागर फ्लोटिंग सोलर पावर परियोजना स्थापति कर रही है, जिससे 78 लोगों के लिये रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।
 - IB वोग्ट सोलर फोर प्राइवेट लिमिटेड महोबा में 80 करोड़ रुपए की लागत से सौर ऊर्जा परियोजना भी स्थापति करेगी।
 - बुंदेलखंड क्षेत्र में कार्यान्वयन की जा रही अन्य प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं:
 - रेलवे का LBH कोच प्रोजेक्ट और ट्रैक वर्क प्लांट 2,840 करोड़ रुपए का है।
 - संत मां कर्म मानव संवर्धन समिति द्वारा 501 करोड़ रुपए का एक नजी वशिवदियालय।
 - 30 करोड़ रुपए की पत्थर खनन परियोजना और 20 करोड़ रुपए की बंदूक प्रणोदक परियोजना।